Impact Factor : 3.001 **ISSN No. 2394-2878**

Journal of Socio-Educational & Cultural Research

(An International Interdisciplinary Refereed Journal)
Bi-Annual, Bilingual (English/Hindi)
UGC Approved Journal Sl. No. 64809

Vol. 3, No. 6 **January-June, 2017**

Editor in Chief
Dr. Alok Kumar Kashyap
Associate Professor
Department of Sociology
M.B.S. P.G. College
Gangapur, Varanasi (U.P.)

Editor
Dr. Shivam Srivastava
Associate Professor
Department of Education
Kisan P.G. College, Bahraich

Published by
ANJANI JAN SEVA SAMITI
VARANASI

Editorial Board
Prof. O.P. Bhartiya (B.H.U.)
Dr. K.U. Raut (Maharashtra)
Dr. V.K. Lahari (B.H.U.)
Dr. Surendra Pal (Muzaffarnagar)
Dr. B.K. Singh (M.G.K.V.P., Varanasi)
Dr. Shikha Verma (Faizabad)

Advisory Board
Prof. S.R. Yadav (B.H.U.)
Prof. R.N. Tripathi (B.H.U.)
Dr. Amita Singh (Varanasi)
Dr. Amita Mohan (U.S.A.)
Dr. B.B. Malik (Lucknow)
Dr. S. Yadav (Faizabad)
Dr. S.K. Pandey (Mugalsarai)
Dr. Aruna Kumari (B.H.U.)
Dr. A.P. Singh (Uttarakhand)
Dr. P.K. Chaudhary (Bihar)
Dr. Vijay Bharti (Varanasi)
Dr. Anita (Varanasi)
Dr. D.K. Singh (Jharkhand)
Dr. A.P. Singh (Jaunpur)
Dr. Rahul Kumar Gupta (Varanasi)
Dr. Jai Prakash Yadav (Varanasi)
Dr. Parul Mishra (Farrukhabad)
Dr. Beerendra Kumar (Kushinagar)

Joint Editor
Dr. Mithilesh Kumar (Ranchi)
Binod Kumar (Dhanupur, Allahabad)

Managing Editor
Dr. Narendra Singh (Lucknow)
Dhananjay Bharti (Varanasi)
Varun Kumar Bhaskar (Varanasi)

Composed by
M. Computer
Kakarmatta, D.L.W., Varanasi
Mob. 8303968456

Office : A-77, Anjanipuram Colony, Karmajitpur, Sunderpur, Varanasi
Cell : 8858229047, E-mail : alokkumar078@gmail.com

© Publisher

1. All views and opinions expressed in 'Journal of Socio-Educational & Cultural Research' are the sole responsibility of the author concerned. Neither the Editor nor Publisher can in anyway, be held responsible for them.
2. All post of journal are without pay.
3. All disputes are subject to Varanasi jurisdiction only.

संपादकीय

सम्प्रति हमारे जनमानस द्वारा अनुकरण की प्रवृत्ति बलवती होती जा रही है। हमारे देश मे अन्धानुकरण का बोलबाला है, अनेक ऐसे उदहारण यहॉ हर समय उपलब्ध रहते हैं। चाहे वह धर्मगुरूओं के अनुकरण का मामला हो या फिर राजनेताओ के अनुकरण का मामला हो, बिना सोचे समझे हम किसी की भी विचारधारा का ध्यान दिए बिना अनुकरण की कतार मे खडे हो जाते है। किसी ने दार्शनिक कृष्णमूर्ति से जानना चाहा कि आत्मानुभव के लिए कौन सा मार्ग अपनाना चाहिए कृष्णमूर्ति एक ऐसे विद्वान जिसने न केवल अपने नेतृत्व मे खडे किए गए विश्वव्यापी संगठन को नकारा और करोडो के ट्रस्ट से अपने को अलग किया बल्कि संसार भर से आए हुए अध्यायात्म साधको की उपस्थिति मे अपने लिए मैत्रय अवतार की घोषणा को भी दृढता से अस्वीकार किया। कृष्णमूर्ति ने सवाल के जवाब मे तत्काल कहा कि आत्मानुभूति महावीर या कृष्णमूर्ति के माध्यम से नही, स्वयं से पाने की कोशिश करें। यदि ऐसा नही हुआ तो आप महावीर को तो अवश्य पा लेगें, खुद को नही पा सकेगें महावीर ने तो 2500 वर्ष पहले ही यही कहा था। महावीर का मानना था कि धर्म बिल्कुल निजी और पूर्णतः अन्तर्जगत की विषय वस्तु हैं प्रत्येक को यह अन्तस की डगर स्वयं ही तय करनी होती है। इसमे समाज संप्रदाय, पंथ, संस्थाए एकदम से अनावश्यक है। आत्मानुभूति की अभिव्यक्ति शब्दो मे संभव नही है। अनुभूति तो अनुभव से संभव है। कई बार शब्दो द्वारा अनुभव को व्यक्त करने का प्रयास किया जाता है किन्तु शब्दो द्वारा परम सत्य की अभिव्यक्ति बिल्कुल असंभव है। फिर भी ज्ञानवान व्यक्ति द्वारा अभिव्यक्ति का प्रयास इसलिए होता है क्योकि एक यही अकेला साधन उनके पास रहता है। इस प्रयास मे व्यक्ति भ्रमित हो जाता है। प्रायः हम शास्त्रो के तार्किक अभिव्यक्ति को अंतिम प्रमाण मानकर इसे शास्त्रो एंव ग्रान्थो की व्याख्या अपने अपने ही अनुसार करने लग जाते है। और इसे अंतिम सत्य मानते हुए सिद्ध करने की कोशिश मे लग जाते है उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने देश की व्यवस्था से जुडे कुछ बुनियादी सवाल उठाए हैं, और संवौधानिक पदो पर आसीन लोगो को उनके दायित्यो की याद दिलाई है। पिछले दिनो बेंगलरू के नेशनल लॉ स्कूल आफॅ इण्डिया यूनिवर्सिटी के 25वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर कहा गया, कि आज चुनौती धर्मनिस्पेक्षता के मूल सिद्धांतो को दोहराना और पुनजीवित करना है। इसमे सहिष्णुता और धर्म की स्वतंत्रता शामिल है, तमाम तबको मे विविधताओ के बीच आपसी सौहार्द को बाढावा देने के लिए सहिष्णुता एक आवश्यक राष्ट्रीय गुण होना चाहिए।

हम किसी भी विचार से सहमत या अयहमत हो सकते हैं किन्तु वास्तविक सत्य को केन्द्र से दूर नही कर सकते। दरअसल व्यक्ति अपनी सुविधा के अनुसार अपने–अपने ईश्वर को चुन लेता है और स्वंय की खोज से दूर हो जाता है। हम यह भूल जाते है कि राम कृष्ण महावीर, बुद्ध, ईसामसीह ने स्वंय से ही स्वंय को पाया खोजा। ऐसा हर कोई कर सकता है, बस अपने–अपने आग्रहो को छोडना होगा। एक अच्छी खबर के साथ कि हमारी शोध पत्रिका विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सूचीबद्ध हो गयी है, आप सभी विद्वत्जनो से हम पत्रिका के श्रेष्ठतम स्वरूप के लिए सुझाव आमंत्रित करते है। सादर।

(डॉ0 आलोक कुमार कश्यप)
प्रधान सम्पादक

(डॉ0 शिवम् श्रीवास्तव)
सम्पादक

विषय सूची

1.	कृषि और भारतीय अर्थव्यवस्था : एक विश्लेषण **डॉ0 अनिल प्रताप सिंह**	1-4
2.	पर्यावरणीय समाज में जनजातियों की स्थिति **डॉ0 अभय प्रताप सिंह**	5-8
3.	आदिकाव्य वाल्मीकि रामायण (बालकाण्ड) में लोक कल्याण की अवधारणा **डॉ0 सुमन लता देवी**	9-12
4.	वैश्विकरण के दौर में काशी की रामलीला का सामाजिक माहत्य : एक समाजशास्त्रीय दृष्टि **डॉ0 विमल कुमार लहरी**	13-26
5	जननी सुरक्षा योजना के क्रियान्वयन की वास्तविक दशा का समाजवैज्ञानिक मूल्यांकन **अनामिका सिंह**	27-32
6	बच्चे एवं अपराध का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन रांची नगर के संदर्भ में **अनु कुमारी**	33-38
7	वैश्वीकरण एवं अर्थव्यवस्था **डॉ0 आशा कुमारी**	39-40
8	Tradition of Devadasi in India and Abroad **Dr. Pratima Pathak**	41-44
9	आधुनिक सामाजिक परिवेश में नैतिकता, शान्ति, सदभाव और मूल्य शिक्षा **डॉ0 सुविता कुमारी**	45-48
10	आधुनिकता और वाराणसी में निवासित विधवाएं : एक समाजवैज्ञानिक विश्लेषण **कुशकुल दीप**	49-54
11.	Conceptualising Global Health and Its Need **Seema Kumari Yadav**	55-58
12.	Concept of Statistics in Social Sciences **Dr. P.K. Gupta**	59-64
13.	Combating of Child Trafficking To Protect Human Rights **Anil Kumar**	65-70
14.	महादेवी वर्मा की अन्तर्वेदना **अनीता देवी**	71-74

15	महिला सशक्तिकरण – शक्ति एवं अधिकार **धीरेन्द्र प्रताप**	75-80
16	ICT based Value Education and International Peace: A Synthetic Approach **Dr. Ajay Kumar Singh & Mr. Manohar Kumar Das**	81-88
17	पर्यावरण संरक्षण : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन **डॉ0 अन्जू**	89-92
18	Dalit Empowerment: A Sociological Discourse **Dr. Arun Kumar Singh**	93-100
19	प्राचीन भारत में सभा और समिति **डॉ0 निर्मला गुप्ता**	101-108
20	देवरिया जनपद में साक्षरता प्रतिरुप : एक भौगोलिक विश्लेषण **डॉ0 प्रज्ञा मिश्रा**	109-112
21.	आधुनिक युग में आदिवासी विमर्श : एक सामाजिक मुद्दा **डॉ0 राम सेवक यादव**	113-114
22.	नक्सलवादी आन्दोलन और आन्तरिक सुरक्षा **डॉ0 राम कृष्ण सिंह**	115-116
23.	Impact of Yoga on the Life of People **Dr. Surendra Pal**	117-124
24.	गोरखपुर परिक्षेत्र में सड़क–मार्ग का विकास (19वीं शदी के विशेष संदर्भ में) **डॉ0 मनोज कुमार तिवारी**	125-132
25	सरकारी एवं निजी संस्थाओं द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों की कार्य–संतुष्टि का अध्ययन **राजेन्द्र कुमार जायसवाल**	133-140
26	Drinking Pure Water and Our Health **Ranadheer Singh**	141-144
27	अनुसूचित जातियों की शैक्षिक दशा : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण **डॉ0 आलोक कुमार कश्यप**	145-147
28	नारी उत्थान और डॉ0 अम्बेडकर **डॉ0 राकेश प्रताप शाही**	148-150
29	चेरो अनुसूचित जनजाति की सांस्कृतिक स्थिति : निरंतरता एवं परिवर्तन **डॉ0 शंभु नाथ मिश्र**	151-154

30	Kurma Purana: A Text of Shiva **Dr. Vimlesh Kumar Pandey**	155-160
31	Mahamana Malaviya Ji vision for Higher Education: An extraordinary blend of cultural heritage and Scientific Knowledge **Sangeeta Yaduvanshi & Dr. Sunita Singh**	161-164
32	झारखण्ड के ग्रामीण विकास में पंचायती राज व्यवस्था की भूमिकाः (कांके एवं नामकुम प्रखण्ड के विशेष संदर्भ में) **मिनाक्षी कुमारी रवि**	165-175
33	बहराइच जनपद के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में जनसंख्या षिक्षा एवं लघु परिवार के प्रति अनिवृत्ति का एक अध्ययन **डॉ0 षिवम श्रीवास्तव, तारकेष्वर स्वरूप मणि**	176-180
34	Control of Air Pollution **Dr. Ajay Kumar Singh**	181-184
35	Study of Self esteem in Patients with Schizophrenia **Dr. Dharmendra Kumar Singh**	185-188
36	दिनकर काव्य में प्रेयसी रूप में नारी **डॉ0 मंजु मिश्रा**	189-190
37	भूखमरी और गरीबी : एक सामाजिक अभिशाप **डॉ0 नीलम पाण्डेय**	191-194
38	Emotional Intelligence and Criminal Behaviour **Dr. Ramendra Kumar Singh**	195-198
39	Relation of ego function with Anxiety and Depression in psychiatric patients **Dr. Shailendra Kumar Singh**	199-202
40	प्राथमिकता क्षेत्र ऋण : सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों की भूमिका का तुलनात्मक अध्ययन **डॉ0 महबूब आलम**	203-208
41	Adjustment Problem among adolescence (Nursing student): A sociological interpretation with special reference to Ranchi, RIMS **Rita Das & Dr. Surendera Pandey**	209-214
42	शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के क्रियान्वयन में समस्याएँ और चुनौतियाँ **डॉ0 सुनीता गुप्ता**	215-218
43	Hindu Rituals and Ganga Pollution : A Sociological analysis **Raju Kumar Singh**	219-222